CBSE Class 12 Hindi Core Question Paper 2023

Set 1 (2-4-1) Solutions

खण्ड अ
(बहुविकल्पीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए:

10 x 1 = 10

वायु की गुणवत्ता में सुधार के लिए तुरंत कदम उठाए जाने की आवश्यकता है । प्रायः प्रदूषण बढ़ने के बाद ही हम कार्यवाही के लिए लालायित होते हैं, जबकि प्रदूषण बढ़ने से पहले ही हमें सक्रिय हो जाना चाहिए । मौसम और वायु प्रदूषण एक-दूसरे से जुड़े हैं । हवा की गति कम हो, तो प्रदूषक तत्त्व बढ़ जाते हैं और हवा की गति जब ज्यादा होती है, तो बेहद खराब-से-खराब हवा भी बेहतर होने लगती है । समय विशेष में किसी खास दिशा से हवा नमी, धूल या प्रदूषकों को साथ ला सकती है । कुछ वायु प्रदूषक जमीन की सतह के आसपास होते हैं और बहुत ऊँचाई तक पहुँचे प्रदूषक मौसम को भी प्रभावित करते हैं ।

जमीन से उठी गैसें, रासायनिक कण वायुमंडल में पहुँचकर अनेक बार नुकसानदेह प्रदूषणकारी बन सकते हैं, यदि वे लंबे समय तक वायुमंडल में बने रहे । अतः यदि अभ प्रदूषण वायुमंडल में पहुँचना रुक भी जाए, तो भी मौजूदा प्रदूषण अगले कई सालों तक असरकारी रहेंगे । वायु प्रदूषण की एक सच्चाई यह भी है कि एक जगह का प्रदूषण दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँच जाता है । हवा साफ हो, तो कहीं से कहीं पहुँचे, चिंता की बात नहीं । हवा यदि प्रदूषण का भार लिए हुए है, तो चिंता का कारण है । हवा को प्रदूषकों का भार न ढोना पड़े, इसके साझा प्रयास किए जाने चाहिए । इसके लिए नवाचारी टेक्नोलॉजी और पद्धतियों के अनुसंधान पर काम करना ही होगा ।

जगह-जगह भवनों या अन्य ढाँचागत निर्माण से खुली जगह में जो कमी आ रही है, उससे स्थानीय स्तर पर वायु प्रवाह में दिक्कत हो रही है । इससे भी प्रदूषण आसपास ही मँडराता रहता है । जीवाश्म ईंधन जलाने से या औद्योगिक प्रदूषणों से कार्बन, सल्फर या नाइट्रोजन के ऑक्साइड जब वायुमंडल में पहुँचे, तो जल और जल का जो भी प्रारूप होगा, वह हिमपात हो या ओस हो तेजाबी हो सकता है । निस्संदेह बरसात के बाद हवा तो साफ लगेगी लेकिन प्रदूषित जल से पेड़ों की जड़ें और उनको जमीन से मिलने वाले पोषक तत्त्व दुष्प्रभावित हो सकते हैं । तालाबों, नदियों के जलचर पीड़ित हो सकते हैं । कुछ प्रदूषक पत्तियों पर ऐसे बैठ जाएँ, जो पेड़ों के लिए हानिकारक हों ।

बरसात की जरूरत अब खेती, जलाशयों के लिए ही नहीं, दमघोंटू धुंध के प्रदूषण से निजात पाने के लिए भी हो गई हैं । कृत्रिम बरसात का विकल्प भी कुछ जिम्मेदार संस्थाएँ देने लगी हैं । वायुमंडलीय प्रदूषण में सुधार हेतु हमें सावधान होने की जरूरत है ।

(i) वायु की गुणवत्ता से क्या अभिप्राय है ?
(a) वायु के प्रदूषक तत्व
(b) वायु की स्थिति
(c) वायु के बहने की गति
(d) वायु की शुद्धता

उत्तर: (d) वायु की शुद्धता

(ii) 'प्रदूषण बढ़ने के बाद ही हम कार्यवाई के लिए तत्पर होते हैं ।' — पंक्ति मानविकी स्वभाव की किस विशेषता का उत्तम उदाहरण है ?
(a) प्रदूषण बढ़ने पर हम चिंतित होने लगते हैं ।
(b) समस्या सिर पर आने पर ही हम कार्यवाई करने लगते हैं ।
(c) समस्या आते ही तुरंत पर ही समाधान पर विचार करते हैं ।
(d) समस्या आने से पहले ही समाधान पर विचार करते हैं ।

उत्तर: (b) समस्या सिर पर आने पर ही हम कार्यवाई करने लगते हैं।

(iii) हवा की गति का प्रदूषण पर क्या प्रभाव पड़ता है ?
(a) हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण बढ़ने लगता है
(b) हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण कम होने लगता है
(c) हवा की गति सामान्य रहने पर प्रदूषण मामूली होता है
(d) हवा की गति थम जाने पर प्रदूषण सबसे अधिक हो जाता है

उत्तर: (b) हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण कम होने लगता है

(iv) हवा का एक जगह से दूसरी जगह पहुँचने चिंता का कारण कब बन जाता है ?
(a) जब वह धीमी गति से चले
(b) जब वह तेज़ गति से चले
(c) जब उसमें प्रदूषक तत्वों की अधिकता हो
(d) जब उसमें धूल-गंदगी की अधिकता हो

उत्तर: (c) जब उसमें प्रदूषक तत्वों की अधिकता हो

(v) हवा में उपस्थित प्रदूषक तत्वों के बारे में किए गए किस विषय को सत्य नहीं है ?
(a) हवा में प्रदूषक तत्व का प्रसार तेजी से होता है
(b) हवा में प्रदूषक तत्वों का निष्कासन आसान है
(c) हवा में प्रदूषक तत्वों का नियंत्रण कठिन होता है
(d) हवा में रासायनिक गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित करना होता है

उत्तर: (b) हवा में प्रदूषक तत्वों का निष्कासन आसान है

(vi) जगह-जगह भवनों के निर्माण से खुली जगह में कमी के साथ-साथ और क्या समस्या आ रही है ?
(a) लोगों को कण-प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है।
(b) स्थानीय स्तर पर वायु-प्रदूषण में वृद्धि हो रही है।
(c) स्थानीय स्तर पर लोगों को आवाजाही में दिक्कत आ रही है।
(d) स्थानीय स्तर पर सूर्य के प्रकाश की दिक्कत आ रही है।

उत्तर: (b) स्थानीय स्तर पर वायु-प्रदूषण में वृद्धि हो रही है।

(vii) हवा में उपस्थित प्रदूषण को कम करने के लिए इत्रिन इस्तेमाल प्रभावकारी तरीका क्यों नहीं है ?
(a) इससे प्रश्नों को नुकसान पहुँचेगा
(b) इससे समस्त जीव-जंतुओं को नुकसान पहुँचेगा
(c) आर्थिक दृष्टि से महंगा सौदा है
(d) प्रदूषित हवा विश्व-व्यापी समस्या है

उत्तर: (d) प्रदूषित हवा विश्व-व्यापी समस्या है

(viii) वर्तमान समय में वैकल्पिक ऊर्जा का उपयोग क्यों महसूस हो रहा है ?
(a) पर्यावरण की सुरक्षा के लिए
(b) ऊर्जा की मांग को पूरा करने के लिए
(c) पानी की कमी को दूर करने के लिए
(d) प्रदूषित हवा को शुद्ध करने के लिए

उत्तर: (a) पर्यावरण की सुरक्षा के लिए

(ix) प्रस्तुत गद्यांश का पर्यायवाची है :
(a) द्रवितिकरण द्वारा पर्यावरण प्रदूषण
(b) वायु-प्रदूषण : समस्या और समाधान
(c) बढ़ता प्रदूषण : समय की आवश्यकता
(d) पर्यावरण सुधार : समय की माँग

उत्तर: (b) वायु-प्रदूषण : समस्या और समाधान

(x) निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए:
कथन (A): ज़मीं से उठी कम चालक मेघों में भी वायुमंडल में पहुँचकर नुक़सानदायक प्रदूषणकारी बन जाती है।
कारण (R): हवा की गति कम हो, तो प्रदूषक बढ़ जाते हैं।
(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की गलत व्याख्या करता है।
(c) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(d) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

उत्तर: (c) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

2. निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी एक काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए:

5x1=5

काव्यांश - 1

(क)

बढ़ी है इस बार गंगा खूब
दियारे पर गाँव कितने हो गए हैं डूब
किन्तु हम तो शहर की इस छोर पर हैं
देखते हैं रात-दिन जल-प्रलय का ही दृश्य
पटलों से बंधी गहरी नींववाला
किराए का घर हमारा रहे यह आबाद
पुराना ही सही पर मजबूत
रही जिसने अमवरत झकझोर
दूधध गंगा की विकट हिलकोर
सामने ही पड़ोसी के—
नीम, सहजन, आँवला, अमरूद
हो रहे हैं आँके जल में मम
रह न पाए स्वप्न पुल के मन
दूधिया पानी बना उनका रजत परिधान
रेलगाड़ी के परिसर खड़े होकर
खिड़कियों से झाँकते हैं

देखते हैं बाढ़ का यह दृश्य
उधर झूँसी इधर दारागंज
बीच का विस्तार
बन गया है आज पारावार
भगवती भागीरथी
प्रेम में यह हो गई थी प्रत्नु-सलिला
विरिहिनी की पीठ लुँठित एकवेणी-सदृश
जिसको देखते ही व्यथा से अवसन्न होते रहे मेरे नेत्र

रिक्त ही था वरुण की कल-केलि का यह क्षेत्र
काकु करती रही पुल की प्रतिछाया, मगर यह थी मौन
उस प्रतनुता से अरे इस बाढ़ की तुलना करेगा कौन?

(i) 'रह न पाए स्तंभ पुल के नम' पंक्ति के आधार पर पुल के स्तंभों के नम न रह पाने का कारण है:

(a) गंगा नदी का तेज बहाव
(b) गंगा नदी का मटमैला पानी
(c) गंगा नदी का बढ़ा जल-स्तर
(d) गंगा नदी का रेतिला पानी

उत्तर: (c) गंगा नदी का बढ़ा जल-स्तर

(ii) पुल के स्तंभों ने कैसा परिधान धारण किया हुआ है?
(a) गंगा-जल रूपी रजत परिधान
(b) चाँदी-सा चमकता परिधान
(c) मिट्टी-सा मटमैला परिधान
(d) दूध-सा चमकता परिधान

उत्तर: (a) गंगा-जल रूपी रजत परिधान

(iii) गाँव में बाढ़ आने पर भी कवि के संतोष का क्या कारण हो सकता है?
(a) घर का नदी से दूर होना
(b) घर का शहर के किनारे होना
(c) घर का पुराना होना
(d) घर का मजबूत होना

उत्तर: (d) घर का मजबूत होना

(iv) गंगा नदी की धारा प्रेम-श्रृंगार में कैसी हो जाती है?
(a) मटमैली
(b) पतली
(c) सूखी
(d) काली

उत्तर: (d) काली

(v) 'विरहिणी की पीठ लुंठित एकवेणी-सदृश' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(a) श्लेष
(b) उत्प्रेक्षा
(c) रूपक
(d) उपमा

उत्तर: (d) उपमा

काव्यांश - 2

(ख)

अब कठोर हो वज्रादपि ओ कुसुमादपि सुकुमारी !

आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी ।

मेरे लिए पिता ने सबसे धीर-वीर वर चाहा,

आर्यपुत्र को देख उन्होंने सभी प्रकार सराहा ।

फिर भी हठकर हाय ! वृथा ही उन्होंने थाहा,

किस योद्धा ने बढ़कर उनका शौर्य-सिंधु अवगाहा ?

क्यों कर सिद्ध करूँ अपने को मैं उन नर की नारी

आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी ।

देख कराल काल-सा जिसको काँप उठे सब भय से

गिरे प्रतिद्वंद्वी नंदार्जुन, नागदत्त जिस हय से

वह तुरंग पालित-कुरंग-सा नत हो गया विनय से,

क्यों न गूँजती रंगभूमि फिर उनके जय जय जय से

निकला वहाँ कौन उन जैसा प्रबल पराक्रमकारी

आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी ।

सभी सुंदरी बालाओं में मुझे उन्होंने माना,

सबने मेरा भाग्य सराहा, सबने रूप बखाना,

खेद, किसी ने उन्हें न फिर भी ठीक-ठीक पहचाना,

भेद चुने जाने का अपने मैंने भी अब जाना ।

इस दिन के उपयुक्त पात्र की उन्हें खोज थी सारी,

आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी ।

(i) नायिका के पिता द्वारा वर रूप में नायक का चयन उसके किन गुणों के आधार पर किया गया?
(a) धैर्य, शौर्य, बुद्धि और वीरता
(b) शारीरिक सौष्ठव और बाहुबल
(c) घुड़सवारी में कुशल होने की कला
(d) कोमल, मधुर और विनम्र स्वभाव

उत्तर: (a) धैर्य, शौर्य, बुद्धि और वीरता

(ii) उपर्युक्त पंक्तियों में अर्जुन द्वारा दी जाने वाली कौन-सी परीक्षा की बात कही गई है ?
(a) स्वयं को सबसे शक्तिशाली सिद्ध करने की परीक्षा
(b) स्वयं को सबसे बुद्धिमान सिद्ध करने की परीक्षा
(c) स्वयं को वर हेतु योग्य सिद्ध करने की परीक्षा
(d) स्वयं को हिंसात्मक हेतु योग्य सिद्ध करने की परीक्षा

उत्तर: (c) स्वयं को वर हेतु योग्य सिद्ध करने की परीक्षा

(iii) 'इस दिन के उपयुक्त पात्र की उन्हें खोज थी सारी' — पंक्ति में प्रयुक्त 'उपयुक्त पात्र' से क्या अभिप्राय है ?
(a) उपयुक्त बर्तन
(b) सुंदर राजकुमारी
(c) बलिष्ठ अश्व
(d) उपयुक्त व्यक्तित्व

उत्तर: (d) उपयुक्त व्यक्तित्व

(iv) 'देख कालसा कालसा जिसको काँप उठे सब भय से' — पंक्ति में 'जिसको' का प्रयोग किसके लिए किया गया है ?
(a) प्रतिद्वंदी राजकुमार
(b) अर्जुन
(c) कुरु
(d) तुरा

उत्तर: (b) अर्जुन

(v) 'वह तुरा पालित-कुरु-सा नत हो गया विनय से' — काव्य-पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?
(a) अतिशयोक्ति
(b) उपमा
(c) उत्प्रेक्षा
(d) मानवीकरण

उत्तर: (b) उपमा

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए :

5×1=5

(i) संवाददाताओं की रुचियों और ज्ञान को ध्यान में रखकर किया गया कार्य- विभागन मीडिया की भाषा में क्या कहलाता है ?
(a) डेड लाइन
(b) एंकर बाइट
(c) बीट
(d) डेस्क

उत्तर: (c) बीट

(ii) उल्टा पिरामिड शैली का विकास कब हुआ ?
(a) अमेरिका में गृह-युद्ध के दौरान
(b) प्रथम विश्व युद्ध के दौरान
(c) द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान
(d) इंग्लैंड के गृह-युद्ध के दौरान

उत्तर: (a) अमेरिका में गृह-युद्ध के दौरान

(iii) हिंदी नेट पत्रकारिता का आरंभ हुआ :
(a) भास्कर के साथ
(b) दैनिक जागरण के साथ
(c) वेब दुनिया के साथ
(d) प्रभासाक्षी के साथ

उत्तर: (c) वेब दुनिया के साथ

(iv) रेडियो में महत्त्व है :
(a) प्रसारणकर्ताओं का
(b) शब्दों और ध्वनियों का
(c) छपे हुए शब्दों का
(d) दृश्यों और तस्वीरों का

उत्तर: (b) शब्दों और ध्वनियों का

(v) गहरी छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर तैयार की गई रिपोर्ट कहलाती है :
(a) विशेष रिपोर्ट
(b) संपादकीय रिपोर्ट
(c) सामान्य रिपोर्ट
(d) प्रेस रिपोर्ट

उत्तर: (a) विशेष रिपोर्ट

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: 5x1=5

छोटा मेरा खेत चौकोना
कागज का एक पन्ना,
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया निःशेष;
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष।

(i) छोटा खेत किसका प्रतीक है?
(a) फसल उगने जाने वाले खेत का
(b) आसमान में छोटे खेत का
(c) कागज के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द-बद्ध होती है
(d) कागज के उस पन्ने का जो पुस्तक में जिल्द-बद्ध रहता है

उत्तर: (c) कागज के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द-बद्ध होती है

(ii) 'अंधड़' से कवि का क्या अभिप्राय है?
(a) हवा का तीव्र वेग
(b) शीतल-मंद-सुगंधित तेज हवा
(c) भावनाओं और विचारों का वेग
(d) धूल और मिट्टी से भरी तेज हवा

उत्तर: (c) भावनाओं और विचारों का वेग

(iii) कविता के संदर्भ में बताइए कि बीज किसके संसर्ग से अंकुरित हुआ?
(a) खाद-पानी
(b) सूर्य का प्रकाश
(c) कल्पना
(d) मिट्टी-पानी

उत्तर: (c) कल्पना

(iv) बीज के गल जाने पर क्या हुआ?
(a) शब्दों के अंकुर फूटे
(b) कवि को पछतावा हुआ
(c) भावनाओं के अंकुर फूटे
(d) कवि की मेहनत व्यर्थ हुई

उत्तर: (d) कवि की मेहनत व्यर्थ हुई

(v) खेती के रूपक द्वारा कवि ने प्रस्तुत किया है:
(a) कृषि-कर्म प्रक्रिया को
(b) काव्य-रचना प्रक्रिया को
(c) खेती में आने वाली कठिनाइयों को
(d) खेती के महत्त्व को

उत्तर: (b) काव्य-रचना प्रक्रिया को

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: 5x1=5

अगर तीस-चालीस मन गेहूँ उगाना है तो किसान पाँच-छह सेर अच्छा गेहूँ अपने पास से लेकर जमीन में क्यारियाँ बना कर फेंक देता है। उसे बुबाई कहते हैं। यह जो सूखे में हम अपने घर का पानी इन पर फेंकते हैं वह भी बुबाई है। यह पानी गलियों में बौएँगे तो सारे शहर, कस्बा, गाँव पर पानी वाली बालाओं की फ़सल आ जाएगी। हम बीज बनाकर पानी देते हैं, फिर काल मेघा से पानी माँगेंगे। सब ऋषि-मुनि कह गए हैं कि पहले खुद दे तब देवता तुम्हें चौगुना-अनुगुणा करके लौटाएँगे। भइया, यह तो हर आदमी का आचरण है, जिससे सबका आचरण बनता है।

(i) बुबाई का क्या अर्थ है?

(a) खेतों में बीज बोना

(b) खेतों में पानी देना

(c) खेतों में कटाई करना

(d) खेतों में खाद देना

उत्तर: (a) खेतों में बीज बोना

(ii) बादलों की फ़सल पाने के लिए क्या करना पड़ता है?

(a) बादलों की पूजा-अर्चना करनी पड़ती है

(b) इंद्र देवता की पूजा-अर्चना करनी पड़ती है

(c) पानी का दान-पुण्य करना पड़ता है

(d) पानी की बर्बादी को रोकना होता है

उत्तर: (c) पानी का दान-पुण्य करना पड़ता है

(iii) ऋषि-मुनियों के अनुसार हमें मनवांछित फल की प्राप्ति कब होती है?

(a) दिन-रात परिश्रम करने से

(b) ईश्वर की उपासना करने से

(c) बड़ों के आशीर्वाद से

(d) दान-पुण्य करने से

उत्तर: (d) दान-पुण्य करने से

(iv) जीजी ने किसान का उदाहरण क्यों दिया है?

(a) बुबाई की प्रक्रिया स्पष्ट करने के लिए

(b) भारतीय संस्कृति की महिमा बताने के लिए

(c) किसानों की मेहनत समझाने के लिए

(d) दान-पुण्य की महत्ता समझाने के लिए

उत्तर: (d) दान-पुण्य की महत्ता समझाने के लिए

(v) 'पानी गलियों में बौएँगे' का अभिप्राय है:

(a) पानी की गलियों में बुबाई करना

(b) पानी की खेदों में बुबाई करना

(c) पानी की गलियों में फेंकना

(d) पानी का इंद्र सेना पर डालना

उत्तर: (c) पानी की गलियों में फेंकना

6. पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए:

10x1=10

(i) "सिल्वर वैडिंग" कहानी के आधार पर लिखिए कि यशोधर बाबू दफ्तर से घर जल्दी लौटना क्यों पसंद नहीं करते थे।
(a) पत्नी और बच्चों से वैचारिक मतभेद होने के कारण
(b) दफ्तर के बाद बिड़ला मंदिर जाना पसंद होने के कारण
(c) घर के कोलाहल से बचने के कारण
(d) घर के एकाकी वातावरण से बचने के कारण

उत्तर: (c) घर के कोलाहल से बचने के कारण

(ii) किशनदा के रिटायर होने के बाद यशोधर बाबू उन्हें अपने घर में क्यों नहीं रख पाए?
(a) घर में अतिरिक्त कमरा न होने के कारण
(b) पत्नी और बच्चों द्वारा उन्हें पसंद न किए जाने के कारण
(c) अपने परिवार को नाराज न करने के कारण
(d) किशनदा द्वारा उनके प्रस्ताव को अस्वीकार किए जाने के कारण

उत्तर: (c) अपने परिवार को नाराज न करने के कारण

(iii) किशनदा के आदर्शों पर चलने से यशोधर बाबू के पारिवारिक, जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा?
(a) उनका पारिवारिक जीवन अत्यंत सरल हो गया
(b) उनका परिवार आदर्शवादी परिवार बन गया
(c) उनका परिवार सिद्धांतवादी परिवार बन गया
(d) उनका अपने परिवार से मतभेद रहने लगा

उत्तर: (d) उनका अपने परिवार से मतभेद रहने लगा

(iv) यशोधर बाबू सिल्वर वैडिंग मनाने के पक्ष में क्यों नहीं थे?
(a) वे इसे पैसों की बर्बादी मानते थे
(b) वे इसे समय की बर्बादी मानते थे
(c) वे इसे विदेशी कस्टम मानते थे
(d) वे रूढ़िवादी विचारों के थे

उत्तर: (a) वे इसे पैसों की बर्बादी मानते थे

(v) आनंद के पिता ईश्वर पेने का काम दूसरे किसानों से पहले ही क्यों शुरू कर देते थे?
(a) ईश्वर की अच्छी खासी कीमत पाने के लिए
(b) जल्दी ही खेती के काम से मुक्ति पाने के लिए
(c) गाँव में इधर-उधर घूमने के लिए
(d) दूसरे किसानों से पहले काम समाप्त करने के लिए

उत्तर: (b) जल्दी ही खेती के काम से मुक्ति पाने के लिए

(vi) आनंद को पाठशाला जाने के लिए लगाई जाने वाली शर्तों में से कौन-सी शर्त सम्मिलित नहीं थी?
(a) सुबह खेतों में पानी लगाना
(b) शाम को आधा घंटा ढोर चराना
(c) शाम को खेतों में सिंचाई करना
(d) खेतों में काम अधिक होने पर पाठशाला न जाना

उत्तर: (d) खेतों में काम अधिक होने पर पाठशाला न जाना

(vii) चौथी से पाँचवीं कक्षा तक अपनी लगने वाली पाठशाला आनंद को एकदम पराई जैसी क्यों लगने लगी?
(a) सहपाठियों के पास से आगे की कक्षा में चले जाने के कारण
(b) मास्टर जी के कठोर व्यवहार के कारण
(c) चबान के लड़के द्वारा खिल्ली उड़ाने के कारण
(d) नई कक्षा की कठिन पढ़ाई के कारण

उत्तर: (d) नई कक्षा की कठिन पढ़ाई के कारण

(viii) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर बताइए कि राखालदास बनर्जी मुअनजो-दड़ो में किसकी खोज करना चाहते थे?
(a) गढ़
(b) स्नानागार
(c) महाकुंड
(d) बौद्ध स्तूप

उत्तर: (b) स्नानागार

(ix) मुअनजो-दड़ो में मिले विशाल कोंठार का प्रयोग किस लिए किया जाता होगा?
(a) कर के रूप में एकत्रित अनाज रखने के लिए
(b) कर के रूप में एकत्रित धन रखने के लिए
(c) उपासना केंद्र के रूप में
(d) महासभा भवन के रूप में

उत्तर: (a) कर के रूप में एकत्रित अनाज रखने के लिए

(x) निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :
कथन (A): सिंधु घाटी सभ्यता की कूची उसका सौंदर्यबोध है।
कारण (R): खुदाई के दौरान मिली वस्तुओं से उनकी कला-सिद्धि का ज्ञान होता है।
(I) नगर-नियोजन से उनकी सौंदर्य-प्रियता का ज्ञान होता है।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(c) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(d) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

उत्तर: (a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए:

(क) शहरों में बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या

शहरों में ट्रैफिक जाम की समस्या आज एक गंभीर चुनौती बन गई है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या और वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण, सड़कें अक्सर जाम से भरी रहती हैं। ट्रैफिक जाम के कारण समय की बर्बादी, तनाव, और प्रदूषण में वृद्धि हो रही है। रोज़मर्रा की जिंदगी में होने वाली इस समस्या के कारण लोगों को अपने कामों में देरी होती है और उनका मूड खराब हो जाता है।

इस समस्या का समाधान करने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं। बेहतर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था, सड़क परिगमन और रूट प्लानिंग, और वर्क-फ्रॉम-होम जैसे विकल्पों को अपनाने से ट्रैफिक जाम को कम किया जा सकता है। साथ ही, ट्रैफिक सिग्नल्स और रूट बदलने के उपाय भी प्रभावी हो सकते हैं। अगर हम मिलकर प्रयास करें, तो इस जटिल समस्या को कम किया जा सकता है और शहरों में एक सुगम यातायात व्यवस्था बनाई जा सकती है।

(ख) पर्वतीय यात्रा के दौरान जब अचानक भू-स्खलन हुआ

पर्वतीय यात्रा एक अद्वितीय अनुभव होती है, लेकिन जब अचानक भू-स्खलन होता है, तो यह यात्रा एक खतरे की स्थिति में बदल जाती है। हाल ही में, जब मैं एक पर्वतीय क्षेत्र में यात्रा कर रहा था, अचानक तेज़ बारिश और बाद में भू-स्खलन ने सब कुछ बदल दिया। हमारे चारों ओर चट्टानों और मलबे का ढेर लग गया, जिससे मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया।

हमारे ग्रुप के सदस्य घबराए हुए थे, लेकिन हमें शांति बनाए रखनी पड़ी। स्थानीय गाइड और टीम ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। भू-स्खलन के कारण कई रास्ते बंद हो गए थे, और हमें सुरक्षित स्थान की ओर जाना पड़ा। इस स्थिति ने हमें सिखाया कि पर्वतीय क्षेत्रों में यात्रा करते समय सतर्कता और तैयार रहना कितना महत्वपूर्ण है। स्थानीय प्रशासन और बचाव दल की मदद से हम सुरक्षित स्थान पर पहुँचे, लेकिन यह घटना हमेशा याद रहेगी। इस अनुभव ने पर्वतीय यात्राओं के जोखिम और तैयारियों की वास्तविकता को उजागर किया।

(ग) जब अंतरिक्ष में घर बन जाएँगे

कल्पना कीजिए, जब एक दिन अंतरिक्ष में हमारे पास अपना खुद का घर होगा! यह विचार पहले सिर्फ विज्ञान कथा की कहानियों तक सीमित था, लेकिन आज के वैज्ञानिक और तकनीकी उन्नति के साथ यह एक संभावित भविष्य बनता जा रहा है। अंतरिक्ष में घर बनाना न केवल एक रोमांचक कल्पना है, बल्कि यह मानवता के लिए एक नई युग की शुरुआत भी हो सकता है।

अंतरिक्ष में घर बनाने की प्रक्रिया में हमें कई तकनीकी और भौतिक चुनौतियों का सामना करना होगा। हमें माइक्रोग्रेविटी, कक्षा में स्थिरता, और जीवन-समर्थन प्रणालियों पर काम करना पड़ेगा। लेकिन, जब

ये समस्याएँ हल हो जाएँगी, तो अंतरिक्ष में रहने के लाभ अनगिनत होंगे। इससे हमें पृथ्वी पर बढ़ती जनसंख्या और पर्यावरणीय समस्याओं से राहत मिल सकती है।

अंतरिक्ष में घर बनाना हमें नई जीवनशैली और अनुभव प्रदान करेगा। नए ग्रहों और उपग्रहों पर जीवन जीने का यह अवसर मानवता के लिए एक बड़ी छलांग हो सकती है। हालांकि, अभी हमें बहुत से तकनीकी और वित्तीय मुद्दों का समाधान करना होगा, लेकिन यह सपना धीरे-धीरे हकीकत की ओर बढ़ रहा है।

(घ) स्वप्न में प्रिय हास्य कलाकार से भेंट

स्वप्नों की दुनिया अजीब और जादुई होती है। हाल ही में, मुझे एक स्वप्न आया जिसमें मैंने अपने प्रिय हास्य कलाकार से भेंट की। स्वप्न की शुरुआत में, मैं एक खूबसूरत और हंसमुख वातावरण में था। अचानक, मैंने देखा कि मेरे सामने मेरा पसंदीदा हास्य कलाकार खड़ा है, जिनकी हंसी और शारीरिक हाव-भाव हमेशा मुझे हंसाते हैं।

स्वप्न में, उसने मुझे गर्मजोशी से स्वागत किया और हम दोनों ने मिलकर हंसी-मजाक किया। उसने अपने हालिया शो की कुछ अनसुनी कहानियाँ साझा कीं, और उसके अंदाज़ में वही पुरानी मासूमियत और शरारत थी। हम दोनों ने खूब बातें कीं और हंसी की ठहाकों के बीच समय कैसे बीत गया, पता ही नहीं चला।

जागने के बाद, उस स्वप्न की यादें मेरे चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए काफी थीं। स्वप्न में प्रिय कलाकार से भेंट ने मुझे न केवल खुश किया, बल्कि यह भी एहसास कराया कि हास्य और हंसी जीवन के सबसे सुंदर पहलू हैं। यह अनुभव मुझे हमेशा याद रहेगा और मेरी ज़िंदगी में हंसी का एक अनमोल तड़का जोड़ देगा।

8. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए:

2x3=6

(क) कहानी के वे कौन-से तत्त्व हैं जो नाट्य रूपांतरण करते समय दृश्यों में नहीं ढल पाते ? इन्हें नाटक में किस प्रकार स्थान दिया जा सकता है ?

कहानी के आंतरिक विचार, पात्रों के मानसिक संघर्ष और विवरणात्मक पृष्ठभूमि नाट्य रूपांतरण में दृश्यों में नहीं ढल पाते। इनको नाटक में शामिल करने के लिए संवाद और मोनोलॉग्स का उपयोग किया जा सकता है, जो पात्रों की आंतरिक भावनाओं और संघर्षों को दर्शा सकें। अतिरिक्त दृश्य या नाटकीय तत्व भी मददगार हो सकते हैं।

(ख) रेडियो नाटक के लिए संवाद लिखते समय क्या सावधानी बरतनी चाहिए ?

रेडियो नाटक के लिए संवाद लिखते समय स्पष्टता और संक्षिप्तता पर ध्यान देना चाहिए। संवाद ऐसे लिखें कि वे सुनने में सहज और स्पष्ट हों। संवादों में भावनाओं और भाव-भंगिमाओं को सही ढंग से व्यक्त करने के लिए ध्वनि प्रभाव और मौखिक संकेतों का उपयोग करें। साथ ही, संवादों की गति और लय को ध्यान में रखें ताकि वे प्राकृतिक और रुचिकर लगें।

(ग) कहानी को नाटक में रूपांतरित करने हेतु किन्हीं तीन आवश्यक बिंदुओं का उल्लेख कीजिए ।

- संक्षिप्तता और सघनता: नाटक में कहानी की लंबाई को संक्षिप्त और सघन बनाना आवश्यक होता है। महत्वपूर्ण घटनाओं और संवादों को प्राथमिकता देकर कहानी को एक स्पष्ट और प्रभावी रूप में प्रस्तुत करना चाहिए।

- दृश्य और संवाद: नाटक में दृश्य और संवाद प्रमुख भूमिका निभाते हैं। कहानी के दृश्य और पात्रों की भावनाओं को संवाद और अभिनय के माध्यम से प्रभावी ढंग से दर्शाना जरूरी है।

 नाटकीयता और संरचना: नाटक के लिए कहानी की नाटकीयता को बनाए रखना और एक स्पष्ट संरचना तैयार करना आवश्यक है। इसमें कथानक, संघर्ष, चरम बिंदु, और समापन को नाटकीय रूप से सुसंगठित करना शामिल है।

9. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए:

2×4=8

(क) रेडियो और टी.वी. के लिए समाचार लिखते समय किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए ?

रेडियो और टीवी के लिए समाचार लिखते समय संक्षिप्तता और स्पष्टता पर ध्यान देना चाहिए। समाचार को सरल और सीधा बनाना जरूरी है ताकि दर्शक और श्रोता आसानी से समझ सकें। भाषा को रोचक और प्रभावी बनाना चाहिए, साथ ही महत्वपूर्ण जानकारी को प्रमुखता से प्रस्तुत करना चाहिए। आवाज़ और टोन का सही उपयोग भी आवश्यक है, क्योंकि यह समाचार के प्रभाव को बढ़ा सकता है। समय की पाबंदी भी महत्वपूर्ण होती है, ताकि समाचार समय पर प्रसारित हो सके।

(ख) पत्रकारिता के क्षेत्र में विशेष लेखन से क्या अभिप्राय है ? विशेष लेखन की भाषा और शैली सामान्य लेखन से अलग क्यों होती है ?

विशेष लेखन पत्रकारिता में विशिष्ट विषयों पर गहराई से विश्लेषण और जानकारी प्रदान करता है, जैसे कि डेस्क, फीचर आर्टिकल्स या विश्लेषणात्मक रिपोर्ट्स। इसकी भाषा और शैली सामान्य लेखन से अलग होती है क्योंकि विशेष लेखन में जटिल और विस्तृत जानकारी को संक्षिप्त और समझने योग्य रूप में प्रस्तुत करना होता है। इसमें पेशेवर भाषा, तथ्यों की पुष्टि, और अनूठी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, जो पाठकों को गहन जानकारी और विश्लेषण प्रदान करती है।

(ग) जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में से सबसे पुराने माध्यम की दो खूबियाँ और दो कमियाँ लिखिए ।

खूबियाँ:

1. सदाबहार संदर्भ: प्रिंट मीडिया पाठकों को स्थायी और भरोसेमंद जानकारी प्रदान करता है, जो रिकॉर्ड के रूप में संचित रहती है और बाद में संदर्भ के लिए उपयोग की जा सकती है।
2. विस्तृत सामग्री: प्रिंट मीडिया में लेख और रिपोर्ट्स को विस्तार से प्रस्तुत किया जा सकता है, जिससे जटिल मुद्दों पर गहराई से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कमियाँ:

1. समय की पाबंदी: प्रिंट मीडिया की प्रकाशन प्रक्रिया समय लेती है, जिससे समाचार और जानकारी में देरी हो सकती है। यह तत्काल अपडेट देने में असमर्थ रहता है।
2. पर्यावरणीय प्रभाव: कागज का उपयोग और उसके निपटान के कारण प्रिंट मीडिया पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न कर सकता है, जैसे कि पेड़ की कटाई और कागज का कचरा।

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए:

2x3=6

(क) 'मेरा जीवन विरुद्धों का सामंजस्य है ।' 'आत्मपरिचय' कविता के संदर्भ में इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

'आत्मपरिचय' कविता में 'मेरा जीवन विरुद्धों का सामंजस्य है' कथन का आशय यह है कि कवि का जीवन विभिन्न विरोधाभासों और संघर्षों से भरा हुआ है, लेकिन ये सब मिलकर एक संतुलित और पूर्ण जीवन का निर्माण करते हैं। कवि अपने अनुभवों और विचारों के विरोधाभासों को स्वीकार कर, उन्हें एक दूसरे के साथ सामंजस्यपूर्ण ढंग से जीते हैं, जो उनके जीवन का अनिवार्य हिस्सा है।

(ख) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर सिद्ध कीजिए कि मीडिया का सामाजिक सरोकार मात्र एक दिखावा है ।

'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में कवि ने मीडिया के दिखावे को उजागर किया है। कविता में अपाहिज व्यक्ति की स्थिति को मीडिया द्वारा एक 'दिखावा' के रूप में प्रस्तुत किया गया है। मीडिया केवल अपाहिज की दयनीय स्थिति को कैमरे में कैद करता है, लेकिन वास्तविक सहायता और सामाजिक सरोकार के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं करता। यह दर्शाता है कि मीडिया का सामाजिक सरोकार अक्सर सिर्फ सतही और दिखावटी होता है।

(ग) ' बादल राग' कविता में बादल किसका प्रतीक है ? बादलों का आह्वान समाज का कौन सा वर्ग करता है और क्यों ?

बादल राग' कविता में बादल सामाजिक उत्पीड़न और कठिन परिस्थितियों के प्रतीक हैं। वे उन परिवर्तनों और सुधारों की आशा का प्रतिनिधित्व करते हैं जो समाज के दबे-कुचले और गरीब वर्ग द्वारा आवश्यक हैं। बादलों का आह्वान समाज का निचला वर्ग करता है, जो अत्यधिक परिश्रम और संघर्ष के बावजूद अपनी समस्याओं के समाधान की आशा करता है। यह वर्ग सामाजिक न्याय और बेहतर जीवन की उम्मीद के प्रतीक के रूप में बादलों की प्रतीक्षा करता है।

11. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए:

2x2=4

(क) तुलसीदासकृत चौपाइयों के आधार पर तत्कालीन समाज में नारी की स्थिति स्पष्ट कीजिए ।

तुलसीदास की चौपाइयों में तत्कालीन समाज में नारी की स्थिति निर्भरता और पीड़ा से भरी हुई दिखायी जाती है। महिलाएँ पुरुषों पर निर्भर रहती थीं और सामाजिक मानदंडों के अनुसार उनकी स्थिति अक्सर अत्यंत कठिन और सीमित होती थी।

(ख) 'घुटनियों में लेके है पिन्हाती कपड़े पंक्ति के माध्यम से माँ के व्यक्तित्व की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है ?

इस पंक्ति के माध्यम से माँ की त्याग और बलिदान की विशेषता प्रकट होती है। माँ अपने बच्चों की भलाई के लिए अपनी सारी परेशानियों और कठिनाइयों को सहन करती है, जो उसकी निस्वार्थ मातृत्व को दर्शाता है।

(ग) 'बात सीधी थी पर कविता के आधार पर भाषा और पेंच की समानता लिखिए ।

बात सीधी थी पर' कविता में भाषा और पेंच की समानता यह है कि दोनों में वस्तुनिष्ठता और सरलता के बावजूद गहराई और सूक्ष्मता को व्यक्त किया जाता है। भाषा सीधी और सहज होती है, लेकिन पेंच में भावनात्मक और विचारात्मक जटिलता होती है।

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

(क) 'कोई भी व्यक्ति सर्वगुण संपन्न नहीं होता, भक्तिन भी इसका अपवाद नहीं थी ।' भक्तिन के जीवन के आधार पर इस कथन को सिद्ध कीजिए ।

भक्तिन का जीवन स्पष्ट करता है कि कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता। भक्तिन ने समाज में उत्कृष्ट कार्य किए, लेकिन उनकी जिंदगी में भी त्रुटियाँ और सीमाएँ थीं। उनके प्रयासों और गुणों के बावजूद, वे आदर्श नहीं थीं, जो इस कथन को सही साबित करता है कि कोई भी व्यक्ति पूर्णता का दावा नहीं कर सकता।

(ख) बाज़ार की चकाचौंध का व्यक्ति के मन-मस्तिष्क पर क्या प्रभाव पड़ता है ? इस चकाचौंध से किस प्रकार बचा जा सकता है ? ' बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर लिखिए ।

बाज़ार की चकाचौंध व्यक्ति के मन-मस्तिष्क को भ्रमित और प्रभावित कर सकती है, जिससे लोग भौतिक वस्तुओं के प्रति आकर्षित होते हैं और सही मूल्यांकन नहीं कर पाते। इससे बचने के लिए, व्यक्ति को जागरूक और सतर्क रहना चाहिए, और केवल आवश्यकता की चीज़ों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, न कि बाज़ार की चमक-दमक पर।

(ग) 'महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं, जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राणकण थोड़ा भी ऊर्ध्वमुखी है, वे टिक जाते हैं।' 'शिरीष के फूल' पाठ से उद्धृत इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

इस पंक्ति का आशय है कि महाकाल की कठोर परीक्षा में केवल वही जीवित रहते हैं जिनमें थोड़ी भी सकारात्मकता और शक्ति होती है। जो जीव कमजोर और विघटित होते हैं, वे परीक्षा को सहन नहीं कर पाते। इस प्रकार, केवल मजबूत और सकारात्मक प्राणियाँ ही कठिनाइयों से उबर पाती हैं।

13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए:

2x2=1

(क) 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' के आधार पर लिखिए कि जाति प्रथा के पोषक लोगों को किस प्रकार की स्वतंत्रता देने के पक्ष में हैं और किस प्रकार की नहीं ।

'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' में जाति प्रथा के पोषक लोग सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। वे जाति आधारित भेदभाव को समाप्त करने की बजाय, जाति के आधार पर भेदभावपूर्ण स्वतंत्रता की बात करते हैं। आदर्श समाज में जाति प्रथा के पोषकों को समानता और स्वतंत्रता का अधिकार नहीं देना चाहिए, क्योंकि वे समाज के समान और एकीकृत दृष्टिकोण का विरोध करते हैं।

(ख) 'प्रकृति भी जैसे गाँव वालों के दुख से दुखी थी ।' 'पहलवान की ढोलक पाठ आधार पर सिद्ध कीजिए ।

'पहलवान की ढोलक' पाठ में प्रकृति की चिंता गाँव वालों के दुःख से जुड़ी हुई है। गाँव में पहलवान की मृत्यु के बाद, प्रकृति ने भी उसके दुख को साझा किया। खेतों की सूखापन और पेड़ों की मुरझाहट से स्पष्ट होता है कि प्रकृति भी गाँव के दुखों से प्रभावित और दुखी थी।

(ग) 'भक्तिन' पाठ के आधार पर लिखिए कि खोटे सिक्कों की टकसाल किसे और क्यों कहा गया है।

'भक्तिन' पाठ के आधार पर, खोटे सिक्कों की टकसाल को उन लोगों को कहा गया है जो केवल बाहरी दिखावे और दिखावे की बात करते हैं, लेकिन वास्तव में उनकी नैतिकता और गुण खराब होते हैं। ये लोग दिखावे के आधार पर अपनी स्थिति बनाए रखते हैं, जबकि उनकी असलियत खराब होती है।